कार्यपत्र-18

1. सही उत्तर पर ठीक (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) किस शब्द में 'ट-ठ' की अशुद्धि है? (ii) विशिष्ठ ✓

(ख) 'ण-न' संबंधी अशुद्धि किसमें है? (i) ऋन ✓

(ग) 'अत्याधिक' शब्द में किससे संबंधी अशुद्धि है? (iii) अ/आ ✓

(घ) 'उ/ऊ' संबंधी अशुद्धि वाला शब्द है– (ii) शुन्य ✓

(ङ) 'स/ष/श' की अशुद्धि वाला शब्द छाँटिए। (ii) नमश्कार ✓

(च) 'उसकी पढ़ाई पूरा हो गया।' - वाक्य में अशुद्धि है– (ii) लिंग की ✓

2. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए।

(क) आर्शीवाद	– आशीर्वाद		(ख) छत्रिय	– क्षत्रिय	
(ग) तीवृ	– तीव्र		(घ) श्रंगार	– शृंगार	
(ङ) सन्यासी	– संन्यासी		(च) परिक्षा	– परीक्षा	
(छ) उज्जवल	– उज्ज्वल		(ज) परिकर्मा	– परिक्रमा	
(झ) चिन्ह	– चिह्न		(ञ) ईर्षा	– ईर्ष्या	

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके दोबारा लिखिए।

(क) खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ।	खरगोश को गाजर काटकर खिलाओ।
(ख) उसने अनेक प्रकार की कला सीखी।	उसने कई प्रकार की कलाएँ सीखीं।
(ग) यहाँ अनेकों किताबें हैं।	यहाँ अनेक किताबें हैं।
(घ) मैंने कल आगरा जाना है।	मुझे कल आगरा जाना है।
(ङ) आज की ताज़ी खबरें सुनो।	आज की ताज़ा खबरें सुनो।
(च) यह लड़की सबसे सुंदरतम है।	यह लड़की सबसे सुंदर है।
(छ) कृपया, यहाँ पधारने की कृपा करें।	कृपया, यहाँ पधारें।
(ज) मैं सोमवार के दिन मंदिर जाऊँगा।	मैं सोमवार को मंदिर जाऊँगा।
(झ) उसने हस्ताक्षर कर दिया है।	उसने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

4. निम्नलिखित कहानी में अशुद्ध वाक्यों को सही करके कहानी दोबारा लिखिए।

एक ग्रामीण आदमी के हाथ एक मुर्गा हाथ लग गई। वह रोज सोने की एक अंडा देती थी। आदमी मुर्गी को पाकर बहुत खुश थी। एक दिन उसको सोचा कि यदि इस मुर्गी की पेट फाड़कर मैं सारी अंडा एक साथ निकाल लिया तो तुरंत अमीरी बन जाऊँगा। अगले दिन मैं एक चाकू लाई और मुर्गी का पेट चीर दी। पेट से कुछ नहीं मिली। मुर्गा मर गई। आदमी सारा पछताया।

एक ग्रामीण आदमी के एक **मुर्गी** हाथ लग गई। वह रोज सोने **का** एक अंडा देती थी। आदमी मुर्गी को पाकर बहुत खुश **था**। एक दिन **उसने** सोचा कि यदि इस मुर्गी **का** पेट फाड़कर मैं **सारे** अंडे एक साथ निकाल **लूँ** तो तुरंत **अमीर** बन जाऊँगा। अगले दिन **वह** एक चाकू **लाया** और मुर्गी का पेट चीर **दिया**। पेट से कुछ नहीं **मिला**। **मुर्गी** मर गई। आदमी **बहुत** पछताया।